भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, बोरीआवी,-387310, आणंद, गुजरात

औषधीय पौधों का उपयोग स्वास्थ्य विज्ञान में पुरातन से ही किया जाता रहा है। बदलते मौसम में वायरल के प्रकोप के प्रति प्रतिरक्षा बढ़ाने में जड़ी बूटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके लिए, 8 अप्रैल, 2020 को आईसीएआर डीएमएपीआर, बोरीआवी ने प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए जरूरतमंद लोगों को एंटी वायरल काढ़े को तैयार करने के लिए उपयोग में आने वाली चार जड़ी बूटियों अर्थात तुलसी, कालमेघ, लेमनग्रास और अर्डुशी के पैकेट वितरित करने की योजना बनाई। कोरोना वाइरस (COVID 19) महामारी के सक्षम लॉकडाउन में जनता का प्रबंधन करने के लिए पुलिस और सुरक्षा कार्मिकों चौबीस घंटे काम करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आईसीएआर-डीएमएपीआर की टीम ने आणंद जिला में उनकी स्वास्थ्य सेवा के लिए हर्बल पैकेट वितरित किए। प्रत्येक पैकेट का उपयोग पुलिस और उसके परिवार द्वारा 15 दिनों के लिए किया जा सकता है

कलेक्टर कार्यालय में हर्बल पैकेट का वितरण

आरटीओ कर्मचारियों के बीच हर्बल पैकेट का वितरण

स्रोत: कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।